हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 84 | जौनपुर, मंगलवार 19 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

देश अब गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और विरासत पर कर रहा गर्व : मोदी

एजेन्सी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश अब गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व कर रहा है। सोमवार को स्वर्वेद मंदिर बनकर तैयार होना, इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है। विश्वास है कि इस महायज्ञ की हर एक आहूति से विकसित भारत का संकल्प और सशक्त होगा। प्रधानमंत्री ने सोमवार को 180 फीट ऊंचे सात मंजिला स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर दुनिया का सबसे अनोखा मंदिर है। उन्होंने कहा कि हर बार की तरह इस बार का भी काशी प्रवास सुखद रहा। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास की पटरी पर आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। काशी में स्वर्वेद मंदिर के लोकार्पण में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की

बात है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति को निशाना बनाया गया। देश अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया था। अब समय का चक्र बदल गया है। देश अब गुलामी की सोच से मुक्त हो रहा है। गुलामी के कालखंड में अत्याचार हुआ। देश आधुनिकता में भी तेजी से बढ़ रहा है। आजादी के बाद इन सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनर्निर्माण आवश्यक था। अगर हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देते तो देश के भीतर एकजुटता और आत्मसम्मान का भाव मजबूत होता। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद आज समय का चक्र एक बार फिर घुमा है। देश अब लालकिले से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व की घोषणा कर रहा है। जो काम सोमनाथ से शुरू हुआ था, वो अब एक अभियान बन गया है। आज काशी में विश्वनाथ धाम की भव्यता भारत के अविनाशी वैभव की गाथा गा रही है। मोदी ने कहा कि सरकार, समाज और संतगण, सब साथ मिलकर काशी के कायाकल्प के लिए काम कर रहे हैं। काशी का मतलब स्वच्छता और बदलाव है। पानी की बूंद–बूंद बचाना जरूरी है। वाराणसी में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनने दिया। भौतिक प्रगति के लिए भी हमने आध्यात्मिक और मानवीय प्रतीकों की रचना की। हमने काशी जैसे जीवंत सांस्कृतिक केंद्रों का आशीर्वाद लिया। मोदी ने कहा कि स्वर्वेद मंदिर भारत के सामाजिक और आध्यात्मिक सामर्थ्य का एक आधुनिक प्रतीक है। इसकी दीवारों पर स्वर्वेद को बड़ी सुंदरता के साथ अंकित किया गया है। वेद, उपनिषद, रामायण, गीता और महाभारत आदि ग्रन्थों के दिव्य संदेश भी इसमें चित्रों के जरिये उकेरे गए हैं। इसलिए ये मंदिर एक तरह से अध्यात्म, इतिहास और संस्कृति का जीवंत उदाहरण हैं। मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो सदियों तक विश्व के लिए आर्थिक समृद्धि और भौतिक विकास का उदाहरण रहा है। हमने प्रगति के प्रतिमान गढ़े हैं, समृद्धि के सौपान तय किए हैं। भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनने दिया। भौतिक प्रगति के लिए भी हमने आध्यात्मिक और मानवीय प्रतीकों की रचना की। हमने काशी जैसे जीवंत सांस्कृतिक केंद्रों का आशीर्वाद लिया।

गर्व की बात है कि दुनिया के लोकप्रिय नेता के हाथों हुआ 'स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन : योगी

एजेन्सी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वाराणसी दौरे पर हैं। सीएम पीएम मोदी द्वारा किए गए स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित किया और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि

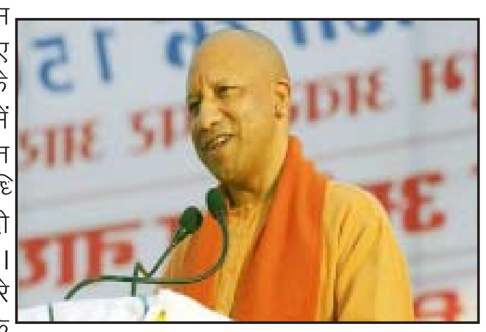

दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के हाथों हुआ, जिन्होंने भारत को सर्वांगीण विकास की एक नई गति और नई पहचान दी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वाराणसी में दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर 1,000 करोड़ की लागत से बना है। पिछले 20 सालों से यह मंदिर बन रहा है। यह सात मंजिल का है और दुनिया का सबसे बड़ा मेडिटेशन सेंटर है। यहां पर एक साथ 20,000 लोग योग और ध्यान कर सकते हैं। मंदिर के उद्घाटन समारोह में सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, स्वर्वेद महामंदिर धाम सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज की पुण्य स्मृतियों को समर्पित है। सौ वर्ष पहले उन्होंने विहंगम योग की जिस साधना के लिए संत समाज की स्थापना की थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शताब्दी वर्ष का ये कार्यक्रम विहंगम योग से संत समाज का प्रारंभ हुआ है और इससे सुखद अनुभूति और क्या हो सकती है कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता जिन्होंने भारत को सर्वांगीण विकास की एक नई गति दी है, एक नई पहचान दी है। भारत की विरासत पर दुनिया गौरव की अनुभूति कर सकें, इसका एहसास कराया है। वो देश के विकास के लिए पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। इस दौरान सीएम ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पांच सौ वर्षों से इंतजार कर रहे थे कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो। अब यह इंतजार खत्म हो गया है और हर भारतवासी का मन अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करता हुआ दिखाई देता है।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन की क्रिकेट में एंट्री, खरीदी मुंबई टीम

एजेन्सी

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सोमवार को इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में मुंबई टीम के मालिक बनने की घोषणा की। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ‘भारत का पहला टेनिस बॉल टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट है जो स्टेडियम के अंदर खेला जाएगा। देश में इस तरह के पहले टूर्नामेंट का आयोजन 2 से 9 मार्च तक मुंबई में होगा। टूर्नामेंट में 19 मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें छह टीम हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और श्रीनगर हैं। बच्चन (81) ने कहा कि लीग का हिस्सा बनना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

सुपरस्टार ने अपने निजी ब्लॉग पर लिखा, एक नया दिन और एक नया काम... मेरे लिए मुंबई की टीम के साथ बतौर मालिक जुड़ना सम्मान और सौभाग्य की बात है। उन्होंने आईएसपीएल को एक रोमांचक और अच्छा प्रारूप बताया। इस स्पर्धा के लिए अभिनेता अक्षय कुमार और ऋतिक रोशन क्रमशः श्रीनगर और बेंगलुरु की टीम के मालिक हैं।

बता दें कि बच्चन फैमिली की दिलचस्पी पहले से ही खेलों में भी रही है। अमिताभ के बेटे अभिषेक बच्चन फुटबॉल टीम और कबड्डी टीम के भी मालिक हैं। अभिषेक इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी चेन्नइय्यन एफसी और प्रो–कबड्डी लीग की फ्रेंचाइजी जयपुर पिंक पैंथर्स के मालिक हैं। वहीं अब अमिताभ बच्चन ने आईएसपीएल फ्रेंचाइजी खरीदी है।

केसीआर के कथित एटीएम कालेश्वरम परियोजना की जाँच कराएंगे रेवंत रेड्डी

एजेन्सी

हैदराबाद। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का एक हिस्सा, मेदिगड्डा बैराज के कुछ खंभों के डूबने का मामला भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लिए फिर से चिंता का विषय बन गया है और नई कांग्रेस सरकार इसकी गहन जांच के आदेश देने की तैयारी कर रही है। कालेश्वरम परध्यिोजना को राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान मुद्दा बनाया था और केसीआर के एटीएम की जाँच कराने की बात कही थी। अब मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को श्डूबेश मेदिगड्डा बैराज का पूरा विवरण देने का आदेश दिया।

सिंचाई विभाग के साथ समीक्षा में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को अधिकारियों को मेदिगड्डा बैराज के घाटों के डूबने और इसके निर्माण के तीन साल के भीतर बैराज को हुए नुकसान के कारण के बारे में सभी विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

रविवार देर रात मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, प्रमुख अभियंता मुरलीधर और अन्य सिंचाई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। शनिवार को रेवंत रेड्डी ने राज्य विधान परिषद में घोषणा की थी कि मेदिगड्डा और अन्नाराम बैराजों के डूबने की मौजूदा न्यायाधीश से जांच का आदेश दिया जाएगा। उन्होंने वादा किया कि अनियमितताओं में शामिल पाए जाने वाले ठेकेदारों, मंत्रियों और अधिकारियों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि बैराज की जांच के लिए सभी विधायकों और एमएलसी को शीघ्र ही मेदिगड्डा ले जाया जाएगा। रविवार की समीक्षा बैठक और मुख्यमंत्री का अधिकारियों को निर्देश उन खबरों के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि ठेका एजेंसी एलएंडटी ने डूबते घाटों को मुफ्त में बहाल करने से इनकार कर दिया है।

पिछले महीने, एलएंडटी ने कहा था कि वह बैराज के ब्लॉक 7 को बहाल करने की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध है।बीते 21 अक्टूबर की शाम को ब्लॉक के एक हिस्से में कुछ दरारें आ गई थीं। कंपनी ने एक बयान में कहा था, बैराज का निर्माण एल एंड टी कंस्ट्रक्शन द्वारा तेलंगाना राज्य के लिए गुणवत्ता और मानकों के लिए अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए डिजाइन के अनुसार किया गया था और 2019 में सौंप दिया गया था। तब से बाढ़ को झेलते हुए बैराज परिचालन में है।"मामले की जांच और विचार–विमर्श सक्षम अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। जैसे ही सक्षम अधिकारी उपचारात्मक उपायों पर निष्कर्ष निकालेंगे, एलएंडटी क्षतिग्रस्त हिस्से को बहाल करने के लिए उचित कार्रवाई करेगी। तत्कालीन बीआरएस सरकार ने कहा था कि बहाली कार्य से राज्य के खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा।अक्टूबर में, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की एक समिति ने बैराज का दौरा किया था और अपनी रिपोर्ट में कहा था कि योजना, डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और संचालन व रखरखाव से जुड़े मुद्दों के संयोजन के कारण बैराज के घाट डूब गए।

जेपी नड्डा से मुलाकात से पहले शिवराज सिंह का बड़ा बयान, मामा-भाई के रिश्ते का किया जिक्र

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। विधानसभा में विधायक पद की शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने लोकसभा चुनाव में 29 सीटें जीतने का दावा किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज विधानसभा में बड़ा सुखद वातावरण रहा। यह पीढ़ी परिवर्तन का दौर है। पीढ़ी परिवर्तन है और मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं, उमंग सिंगार नेता प्रतिपक्ष हैं। इसे सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। मध्य प्रदेश में अपनी अगली भूमिका पर उन्होंने कहा कि मैं पहले की तरह सक्रियता से काम करूंगा और पार्टी जो भी काम देगी उसे निभाऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा एक मिशन है और यह पार्टी तय करती है कि आप कहां काम करोगे। उन्होंने कहा, "विधानसभा मेरे लिए मंदिर है। लोकसभा की सभी 29 सीटें जीतने का लक्ष्य है। मामा–भाई का रिश्ता प्रेम का है।" उन्होंने कहा कि मैंने 17 साल से ज्यादा प्रदेश की सेवा की है , लेकिन स्वाभाविक रूप से एक राज्य के नागरिक के नाते की है। मोहन यादव और ज्यादा बेहतर विकास के आयाम स्थापित करें। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिवराज सिंह चौहान पहली बार बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। दिल्ली में शाम 7 बजे शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच बैठक होगी।

लोकसभा–राज्यसभा में विपक्षी सांसदों पर बड़ी कार्रवाई, दोनों सदनों के 67 मेंबर सस्पेंड

एजेन्सी

नयी दिल्ली। शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के विपक्षी सांसदों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। दरअसल, संसद में सुरक्षा चूक मामले पर विरोध कर रहे दोनों सदनों के 67 विपक्षी सांसदों को शेष सत्र से सस्पेंड कर दिया है। इनमें राज्यसभा के 34 सांसद और लोकसभा के 33 सांसद शामिल हैं। इससे पहले लोकसभा के 14 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है। लोकसभा में सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में भारी हंगामा करने वाले विपक्ष के 33 सांसदों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया और कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। चार बार के स्थगन के बाद तीन बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने हंगामा कर रहे कांग्रेस समेत विपक्षी सदस्यों का नाम लिया। उसके बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सदन ने अवमानना का गंभीर संज्ञान लिया है। उन्होंने विपक्ष के 33 का नाम पुकारा और सभी सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए सदस्यों में कल्याण बनर्जी, ए राजा, दयानिधि मारन, डॉक्टर के जयकुमार, अपरूपा पोद्दार, प्रसून बनर्जी, ईटी मोहम्मद बशीर, जी शेलवम, सी एन अन्नादुराई, अधीर रंजन चौधरी, डॉक्टर टी सुमती, के नवास कानी, के वीरास्वामी, एन के प्रेमचन्द्रन, प्रो सौगत राय, शताब्दी राय, असीत कुमार मल, कौशलेंद्र कुमार, अंटो अंटोनी, एस एस पलानीमाणक्कम, अब्दुल खालिक, थिरुनवुकरासर, विजय वसंथ, प्रतिमा मण्डल, काकोली घोष, के मुरलीधरन, सुनील कुमार मंडल, एस रामलिंगम, के सुरेश, अमर सिंह, राजमोहन उन्नीथन, गौरव गोगोई, टी आर बालू शामिल हैं। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इन सदस्यों ने बार बार आग्रह करने के बावजूद सदन में तखतियाँ लेकर आये। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कांग्रेस के डॉक्टर के जयकुमार, विजय वसंथ और अब्दुल खालिक को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। यह तीनों अध्यक्ष के आसन के समीप जा नारेबाजी की तखध्तियाँ लहराई। इससे पहले बुधवार को विपक्ष के चौदह सदस्यों को निलंबित किया गया था। वहीं, राज्यसभा के भी 30 से अधिक सांसदों को निलंबित किया गया है। इनमें कांग्रेस सांसद जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल हैं। विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मद्दे पर राज्यसभा में सोमवार लगातार तीसरे दिन हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही चौथी बार चार बज कर 30 मिनट तक स्थगित कर दी गई। सभापति जगदीप धनखड़ ने तीन बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही शुरु करने का प्रयास किया तो विपक्ष के सदस्य अपनी अपनी सीटों के पास खड़े हो गए और जोर जोर से बोलने लगे।

मोहन यादव ने उज्जैन में रात बिता कर मिथक तोड़ा

एजेन्सी

उज्जैन। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन को लेकर एक मिथक रहा है कि यहां मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री रात नहीं बिताते हैं। मगर राज्य के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार की रात उज्जैन में बिताकर इस मिथक को तोड़ दिया है। मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं और मुख्यमंत्री बनने के बाद वे शनिवार को यहां पहुंचे। इतना ही नहीं उन्होंने रात भी बिताई। मुख्यमंत्री यादव ने यहां एक जनसभा में कहा कि रात न बिताने के मिथक को तत्कालीन राजा दौलत राव सिंधिया ने बनाया था। राजा महादजी सिंधिया के निधन के बाद दौलत राव सिंधिया राजधानी को उज्जैन से ग्वालियर ले जाना चाहते थे और वे 1812 में राजधानी ले भी गए, मगर धीरे से एक मंत्र फूंक गए कि यहां कोई राजा रात को नहीं रहेगा।

पीएम मोदी ने वाराणसी को दी वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात, हरी झंडी दिखा नयी दिल्ली के लिए किया रवाना

एजेन्सी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दोपहर 2:15 बजे अपने संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के वाराणसी जंक्शन के(कैंट) से आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वाराणसी–नयी दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गौरतलब है कि तीर्थ नगरी वाराणसी से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बीच चलने वाली यह दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इसके साथ ही देश के विभिन्न रेल मार्गों पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या 35 हो हो गई है। इससे पहले पीएम मोदी ने 15 फरवरी, 2019 को वाराणसी से नयी दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी, जो देश में संचालित होने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन थी। तब से लेकर तब तक देश के विभिन्न रेल मार्गों पर कुल 34 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चल रही है। उत्तर रेलवे के मुताबिक यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में अन्य छह दिन चलेगी। रेलवे की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 22415 वाराणसी–नयी दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रसे ट्रेन सुबह छह बजे वाराणसी से रवाना होगी और प्रयागराज, कानपुर, चिपियाना होते हुए अपराह्न 02.05 नयी दिल्ली पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 22416 नयी दिल्ली–वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस अपराह्न तीन बजे नयी दिल्ली से रवाना होगी और रात में 11.05 बजे वाराणसी पहुंचेगी। सरकार की इस पहल से यात्रियों के समय में बचत होने के साथ ही इस क्षेत्र की आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर रेल दावा अधिकरण के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। साथ ही पीएम मोदी ने जौनपुर से जौनपुर सिटी के मध्य रेलवे कार्ड का भी लोकार्पण किया। यह ट्रेन पूरी तरह से स्वदेशी है और यह बुलेट की गति से चलती है। बहुत कम समय में ही इसकी रफ्तार 160 किलोमीटर से प्रति घंटे से 200 किलोमीटर प्रति घंटे की हो जाती है। इसकी बनावट भी बुलेट जैसा है। यह ट्रेन यात्रियों के लिए जितना अधिक सुविधाजनक है, उतनी ही ज्यादा खूबसूरत भी है। इस ट्रेन में यात्रियों की छोटी से छोटी हर जरूरतों का ध्यान रखा गया है। वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन में कई जगहों पर समय के अनुसार यात्रियों खाना और नाश्ता भी दिया जाता है।

एमपी में मंदिर-मस्जिदों से उतरने लगे लाउडस्पीकर, CM के आदेश के बाद धर्मगुरुओं ने स्वेच्छा से की पहल

एजेन्सी

खंडवा। मध्य प्रदेश में मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही लाउडस्पीकर पर सियासत लाउड है। कहीं इसको लेकर विरोध होता दिख रहा है तो, कहीं कोई इसके समर्थन में खड़ा नजर आता है। लेकिन खंडवा में इस आदेश के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है। वह बेहद ही सुखद है। लाउडस्पीकर पर सरकार के फरमान के बाद यहां धार्मिक संस्थाओं पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों को लोग स्वयं उतारने लग गए हैं। हालांकि प्रशासन ने भी सभी धर्म गुरुओं की बैठक लेकर समझाइए दी थी। इधर प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर वॉइस मीटर से ध्वनि विस्तारक यंत्र का नाप–तोल किया। अधिकतर जगहों पर तय मानकों के मुताबिक ही ध्वनि विस्तार यंत्रों से आवाज आ रही थी। जहां कुछ थोड़ी बहुत ज्यादा थी तो वहां पर समझाइए देकर उन्हें भी तय मानकों के आधार पर वॉल्यूम सेट करने के लिए समझाया गया है। बता दे कि पूरी कार्रवाई के पहले पुलिस को प्रशासन ने अपने वाहनों पर लगे सायरन और ध्वनि विस्तारक यंत्र के डेसीबल की जांच की। उसके बाद में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचे और वहां पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों से निकलने वाली आवाज का डेसिबल जांचा। यहां लगे माइक सिस्टम की आवाज का डेसीबल नाप कर उन्हें समझाइश दी।

सम्पादकीय

दिल के जोखिम

भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों के बारे में अक्सर कहा जाता रहा है कि वे दिल की बीमारियों की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील होते हैं। देश–विदेश में हुए हाल के अध्ययनों ने इस तथ्य की पुष्टि ही की है। पिछले दिनों आई एनसीआरबी की रिपोर्ट ने भी इस पर मोहर लगायी है। निस्संदेह, देश में कार्डियो वैस्कुलर डिजीज यानी सीवीडी अर्थात दिल से जुड़े रोगों से होने वाली जीवन क्षति एक गंभीर समस्या बनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह आंकड़ा चिंता बढ़ाता है कि दुनिया भर में सीवीडी से होने वाली मौतों का पांचवां हिस्सा भारत से है। जो इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। कोरोना संकट के बाद भी देश में हृदयाघात से मरने वालों की संख्या में भी तेजी देखी गई है। वैश्विक रोगों के दबाव विषयक अध्ययन की रिपोर्ट इस संकट की हकीकत बयां कर देती है। जिसमें कहा गया कि वैश्विक स्तर पर जहां प्रति लाख जीवन क्षति का औसत 235 है, वहीं भारत में यह 272 है। दूसरी ओर एनसीआरबी आंकड़े इस संकट की तस्वीर उकेर देते हैं। जिसमें कहा गया है कि हृदयाघात से अचानक होने वाली जीवन क्षति का आंकड़ा जहां 2021 में साढ़े पचास हजार था, वह 2022 में बढ़कर साढ़े छप्पन हजार के करीब पहुंच गया। दरअसल, दिल से जुड़े रोग हमारी जीवनशैली में आए बदलावों की भी देन है। लगातार जटिल होती जीवन व कार्य परिस्थितियां व अराजक खानपान भी इस समस्या के मूल में है।

हमारे जीवन में घटता शारीरिक श्रम व खानपान की गुणवत्ता में गिरावट भी समस्या बढ़ाती है। इस जटिल समस्या का एक सकारात्मक पक्ष भी है। चिकित्सा विशेषज्ञ बताते रहे हैं कि सजगता व कुछ प्रयासों से इस जीवन क्षति को टाला जा सकता है। जिसमें महत्वपूर्ण भूमिका कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर की होती है। यदि समय रहते हृदय रोगी को सीपीआर जैसी प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा दी जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। व्यक्ति की सांस रुके या दिल की धड़कनें बंद हो रही हों, तो यह तकनीक खासी लाभप्रद साबित हो सकती है। जरूरी नहीं है कि मरीज को इसको देने के लिये तुरंत अस्पताल ले जाना हो या किसी उपकरण की जरूरत पड़े। लेकिन विडंबना यह है कि बहुत कम लोगों को इसका प्रशिक्षण दिया गया है। भारत में इस संबंध में जागरूकता भी बेहद कम है। यद्यपि कुछ चिकित्सा व सामाजिक संगठन इस बाबत लगातार जागरूकता अभियान चलाते रहते हैं, लेकिन गांव–देहात में इसका दायरा बढ़ाने की जरूरत है। विकसित देशों में सार्वजनिक स्थलों पर ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफाइब्रिलेटर्स की सुविधा उपलब्ध होती है। जिसके लिये लोगों को जागरूक व प्रशिक्षित किया जाता है। दरअसल, यह एक ऐसा उपकरण है जिसे लोग अपने साथ लेकर चल सकते हैं और सांसों को प्रवाह बाधित होने पर इलेक्ट्रिक शॉक के जरिये उसे नार्मल करने के प्रयास होते हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें अपने खानपान, सहज व्यवहार और शारीरिक श्रम बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। योग व प्राणायाम भी इस तरह की बीमारियों को दूर करने में मददगार हैं। बहरहाल, राष्ट्रीय स्तर पर इस बाबत जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

आज का राशि फल

मेष :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

बृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

क्राउड फंडिंग से कांग्रेस का बढ़ेगा जनाधार

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस ने आर्थिक मदद के नाम से जनता से जुड़ने की अभिनव पहल की है। 28 दिसंबर को पार्टी के 138 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले सोमवार को डिजिटल स्वरूप में आमजन से दान लेने की मुहिम की शुरुआत कर रहे हैं। डोनेट फॉर देश के नाम से संचालित होने वाले इस अभियान की महत्ता चुनाव लड़ने के लिए धन राशि एकत्र करने तक सीमित नहीं है, वरन उसका महत्व इसलिये भी है कि वह नये सिरे से आम लोगों को अपनी विचारधारा से जोड़ने जा रही है। इसके साथ ही देश की यह सबसे पुरानी पार्टी अपनी उस परम्परा को पुनर्जीवित करने जा रही है, जिसके बल पर दुनिया की सबसे विपन्न भारतीय अवाम के समक्ष विश्व के सर्वाधिक समृद्ध ब्रितानी हुकूमत को घुटने टेकने के लिये मजबूर होना पड़ा था। देश का स्वतंत्रता संग्राम छोटी–बड़ी मदद के बल पर लड़ा गया था। कांग्रेस को इस तरह जनता के सामने झोली फैलाने की जरूरत इसलिये आन पड़ी है क्योंकि उसका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी जैसे अति सम्पन्न राजनैतिक संगठन के साथ है। दशक भर में उसने जैसा पैसा एकत्र किया है और उसका वह व्यय करती हुई दिख भी पड़ती है, उसके सामने किसी भी सामान्य दल का टिके रहना मुश्किल है। अब तक कांग्रेस उसका जिस प्रकार से भी मुकाबला कर रही है, वह अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर ही, लेकिन 2024 का आम चुनाव लोकतंत्र के लिहाज से जिस प्रकार महत्वपूर्ण हो गया है, उसके चलते सम्भव है कि कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। देखना यही होगा कि जनता कांग्रेस की दान की अपील को कैसा प्रतिसाद देती है। शनिवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में महासचिव केसी वेणुगोपाल एवं पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बताया कि श्डोनेट फॉर देशश अभियान के अंतर्गत आमजन कांग्रेस को परम्परागत तरीकों के अलावा भुगतान के सभी डिजिटल माध्यमों के जरिये भी दान दे सकेंगे। इसके लिये एक अलग वेबसाइट भी बनाई गई है। कुछ ही दिनों में कार्यकर्ता घर–घर घूमकर चंदा एकत्र करेंगे। दान की न्यूनतम राशि 138 रुपये रखी गई है। यह सहयोग राशि उसके गुणा किये जाने वाली संख्या में अधिकतम कुछ भी हो सकती है, यानी 1380, 13800 और ऐसे ही आगे। यह राशि इसलिये चुनी गई है क्योंकि कांग्रेस अपनी स्थापना के 138 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। यह धन संग्रह मुहिम करीब एक सौ साल पहले (1920–21) महात्मा गांधी द्वारा देश की स्वतंत्रता के लिये चलाये गये शतिलक स्वराज फंडश से अभिप्रेरित बतलाई गई है। कांग्रेस को इस तरह के चंदा अभियान की आवश्यकता इसलिये महसूस हुई क्योंकि पिछले कुछ समय से भाजपा ने जहां खुद को आर्थिक दृष्टि से बेहद मजबूत किया है वहीं उसने विरोधी दलों को मदद राशि मिलने के सारे रास्ते यथासम्भव बन्द कर दिये हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट बताती है कि इलेक्टोरल बॉड के जरिये प्राप्त हुए करीब 9188 करोड़ रुपये में से 5272 करोड़ रुपए अकेली भाजपा को मिले। शेष लगभग 1780 करोड़ रुपए अन्य 7 राष्ट्रीय व 24 क्षेत्रीय दलों के पास पहुंचे। भारी–भरकम खर्चों से होने वाले चुनावी प्रचार अभियानों के माध्यम से भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया को ही इतना खर्चीला कर दिया है कि किसी भी दल का उसके साथ मुकाबला करना बहुत मुश्किल हो गया है। सत्ता हाथ में होने के कारण और उसकी आर्थिक नीतियों के चलते वह उद्योगपतियों व कारोबारियों की पसंदीदा पार्टी बन गई है। केन्द्र की सरकार उसकी अपनी होने के कारण देश के भीतर जहां उसके दफ्तरों के सामने चंदा देने वालों की कतारें लगती हैं, अन्य दलों द्वारा प्राप्त होने वाले धन पर उसकी वक्र दृष्टि होती है। उसके पास उपलब्ध केन्द्रीय जांच एजेंसियों का वह खुलकर उपयोग विपक्षी दलों व नेताओं के खिलाफ करती है। जिन पूंजीपतियों को उसने अपनी नीति से फायदा पहुंचाया है, उसके फलस्वरूप उसके पास पैसे की किल्लत होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। यह चर्चा भी आम है कि नोटबन्दी की बहती गंगा में भाजपा ने अपने हाथ धोये हैं। पूरे भारत में उसके आलीशान कार्यालय, भव्य रोड शो, खूब खर्चीली प्रचार सभाएं साफ बतलाती हैं कि वह देश ही नहीं सम्भवतरू दुनिया की सबसे अमीर पार्टी है। जाहिर है कि ऐसी मालामाल पार्टी के साथ मुकाबला बेहद कठिन है। इसके साथ ही अगले लोकसभा चुनाव का जैसा महत्व है, कांग्रेस के समक्ष लोगों से मदद मांगने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है। इसके माध्यम से पार्टी न केवल अपने खर्च का बंदोबस्त करेगी वरन लोगों से उसका व्यापक जुड़ाव हो सकेगा। उसे वे लोग मदद करेंगे जो कांग्रेस की विचारधारा से इत्तेफाक रखते हैं। बड़ी तादाद में ऐसे नागरिक हैं जो चाहते हैं कि कांग्रेस मजबूत हो लेकिन वे उसकी मदद नहीं कर पाते। ये सामान्यजन होते हैं जो अल्प राशि ही देने में सक्षम हैं। वे निश्चित ही आगे आयेंगे। इससे कांग्रेस की नीतियों, कार्यक्रमों एवं योगदान का चर्चा आम हो सकेगा जिसका उसे चुनावी लाभ भी मिलेगा। अभियान न सिर्फ पार्टी को भाजपा से लड़ने का हौसला देगा वरन उसके वोट बैंक में भी बड़ा इजाफा करेगा। कांग्रेस को दो–तीन बातों का अवश्य ख्याल रखना होगा। पहला तो यह कि संग्रहित राशि पारदर्शी हो और वह उसे बहुत समझदारी के साथ खर्च करे। इसमें उसे एक–एक पाई का हिसाब रखना होगा वरना उसे बदनाम करने का कोई अवसर भाजपा व उसका आईटी सेल हाथ से जाने नहीं देगा।

पैसे से कांग्रेस की सेहत नहीं सुधरेगी!

शकील अख्तर

हर पार्टी का अपना नेचर होता है। भाजपा में हवा हवाई बातें चल जाती हैं। मगर कांग्रेस में नुकसान कर जाती हैं। भाजपा के साथ एक तो मीडिया होता है दूसरे उसके और संघ के कार्यकर्ता जो इस बात को भी मिनटों में घर–घर पहुंचा सकते हैं कि गणेश जी दूध पी रहे हैं या राहुल पप्पू हैं और मोदी जो चाहे कर सकते हैं। लेकिन कांग्रेस के पास अगर ठोस बातें और जनपक्षीय कार्यक्रम नहीं हैं तो केवल प्रयोग के लिए प्रयोग से या प्रतीकात्मकता से उसे कोई फायदा नहीं होता उल्टा नुकसान ही होता है। ईवीएम एक ऐसा ही प्रयोग था जिससे आज कांग्रेस ही सबसे ज्यादा परेशान है। ईवीएम कांग्रेस ही लाई थी। नोटा भी वही लाई। आरटीआई भी। ये सब उसके लिए घातक साबित हुए। बिना जनता के स्तर को ऊपर उठाए अति आदर्शवादी व्यवस्था, नए प्रयोग, उस पार्टी के लिए हमेशा नुकसानदेह होता है जिसे जनता वास्तविक आधारों पर जांचती है। कांग्रेस जब मनरेगा लाती है, किसानों की कर्ज माफी करती है तो लाभान्वित हुए लोगों के सीधे समझ में आता है। और वह 2009 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को वापस ले आते हैं। मगर 2012 के बाद जब वही कांग्रेस अन्ना जी, अन्ना जी करने लगती है तो जनता उसे पसंद नहीं करती। अन्ना जी को लाने वाले ओरिजनल लोगों के साथ चली जाती है। इन विधानसभा चुनावों में हार के लिए ईवीएम एक कारण हो सकता है! होगा। लेकिन अगर ऐसा है तो कांग्रेस ने इसके खिलाफ कौन सी मुहिम शुरू की। आडवानी ने 2009 के चुनाव हार जाने के बाद बाकायदा इसके खिलाफ एक मुहिम शुरू की थी। अपने पार्टी के नेता जीवीएल नरसिम्हा राव से किताब लिखवाई

थी। खुद उस ईवीएम विरोधी किताब की प्रस्तावना लिखी थी। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले 2017 में हुए कई विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस ने इस पर सवाल तो हमेशा उठाए मगर कोई निर्णायक आन्दोलन शुरू नहीं किया। हमें याद है 2017 के बाद जब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष बन गए थे तो दिल्ली के इन्दिरा गांधी ओपन स्टेडियम के कांग्रेस सम्मेलन में उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस ने इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया था। मगर बाद में कोई फालोअप नहीं हुआ। कांग्रेस पूर्व ब्यूरोक्रेटस की, जो चुनाव कार्यों से जुड़े रहे, एक कमेटी बना सकती थी। उनसे जांच करवा सकती थी। कई रिटायर वरिष्ठ अफसरशाह कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। मशीन में गड़बड़ी करने वालों को सख्त मैसेज दे सकती थी। जैसे गडकरी ने बोला था यूपीए के समय, जब उनकी जांच चल रही थी कि किसी भी अफसर को छोड़ेंगे नहीं। वैसे ही सख्त भाषा में बोल सकती थी। आखिर कोई भी डिपार्टमेंट हो, करता तो इंसान ही होगा ना ईवीएम में गड़बड़ी। उसे चेताया तो जा सकता है! मगर कांग्रेस ने हर हार के बाद बोला तो जरूर मगर कोई गंभीर पहल नहीं की। और फिर जनता के मन में यह भी सवाल उठता है कि 2014 में तो कांग्रेस बुरी तरह हारी। तब तो केन्द्र में उसी की सरकार थी। तब भी क्या ईवीएम मैनेज कर ली गई थी? और अगर कांग्रेस के शासन में कांग्रेस के ही खिलाफ ईवीएम मैनेज की जा सकती है तो फिर बात करना ही बेकार है! हालांकि इसमें इतने आश्चर्य की बात नहीं। 2012 से 2014 तक पूरी अफसरशाही, दूसरी संस्थाएं मीडिया सब पूरी तरह कांग्रेस के विरोध में हो गए थे। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 2012 से 2014 तक सबसे कमजोर सरकार रही। इतनी तो चन्द्रशेखर की सरकार भी कमजोर नहीं थी। सत्ता से बाहर कांग्रेस को दस साल हो रहे हैं। और दो हार के बाद तीसरा चुनाव 2024 सिर पर खड़ा है। मगर अभी तक वह अपनी असली समस्या को समझ नहीं पा रही है। मामला हार्ट और ब्रेन का है। नेताओं के कमजोर दिल और निहित स्वार्थी दिमाग का! मगर पार्टी कास्मेटिक सर्जरी कर रही है। अभी एक नया शिगूफा छेड़ा। क्राउड फंडिंग। राजनीति में यह सफल प्रयोग किया था देवीलाल ने। एक वोट एक नोट! जोर वोट पर था। नोट तो उनसे ज्यादा कोई खर्च कर नहीं सकता। उस समय जिप्सी नई गाड़ी आई थी। चुनाव में पुरानी महिन्द्रा और विलीज जीपें चलती थीं। गांवों में यही जा पाती थीं।

1989 में देवीलाल ने जनता दल के अपने सारे लोकसभा प्रत्याशियों के पास नई सफेद चमचमाती जिप्सी पहुंचा दी थीं। आज के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उसी समय अपना पहला चुनाव लड़े थे। और जीते थे। राजस्थान के झुन्झुनू से। खुद देवीलाल पड़ोस के सीकर से लड़ रहे थे। इसे शेखावाटी का इलाका कहते हैं। जाट बेल्ट। उस समय के लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ को हराया था। खैर वह बात वोट और नोट की थी। तो वोट तो मिले ही। और नोट तो प्रतीकात्मक था। तो सारी जिप्सियां वहीं कार्यकर्ताओं को दे आए थे।

देवीलाल शाहखर्च थे। कांग्रेसी भी हैं। मगर दूसरे के पैसे खर्च करने में। अपना तो सब ने दबाकर रखा हुआ है। पता नहीं किस काम आएगा! जिनके पास रखा है वह कोई नहीं लौटाते हैं। बच्चे बेवजह परेशान होकर घूमते रहते हैं। इससे बेहतर है पार्टी को दे दें। मगर नहीं देंगे। पार्टी से और कुछ मिल जाएगा तो ले लेंगे। खैर तो यहां कांग्रेस ने गांधी जी को याद किया है। मगर यह भूल गए कि गांधी महामितव्ययी थे। थर्ड क्लास में चलते थे। यहां तो हर नेता को चार्टेड प्लेन चाहिए। शहर के सबसे अच्छे होटल का सबसे महंगा सुइट।

बड़ी गाड़ी, सेवा में चार कार्यकर्ता। लगा लें हिसाब कांग्रेस कि जब पैसा नहीं है तो नेताओं ने जिनमें कुछ बड़े नेता छोड़ भी दो तो छोटे और मंझौले दर्जे के नेताओं के चुनाव में घूमने पर कितना खर्चा आया है। और कितने इन्होंने अपनी प्रदर्शनप्रियता और अफालतूनी रवैये से वोट कटवाए हैं। कितने भले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को गालियां दी हैं। अपनी क्राउड फंडिंग को गांधी जी के 1920– 21 तिलक स्वराज कोष से प्रेरित बताना तो ठीक है मगर उनकी तरह पाई–पाई का हिसाब क्या कांग्रेस दे पाएगी? जनता पैसे देगी तो क्या हिसाब नहीं मांगेगी?

और फिर वही बात जो गांधी का मूल उद्देश्य था और देवीलाल का हमने बताया कि पैसा नहीं उसके पीछे जोड़ने की भावना? तो इसके लिए कांग्रेस को अपनी नई टीम सामने लानी होगी। एक साल से ज्यादा समय हो गया है, नए अध्यक्ष भी लिखना अब अजीब लगता है, पुराने हो गए उन खरगे जी की टीम अभी तक नहीं बनी है। गैर–जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। अभी देखा कि कमलनाथ को जिन्हें पांच साल से ज्यादा कांग्रेस ने एकछत्र काम करने का मौका दिया। वह संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रभारी रणदीप सुरजेवाला को व्यंगात्मक बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। शुक्र है सोनिया और राहुल पर अटैक नहीं किया। अपने बेटे नकुलनाथ का राजनीतिक भविष्य ध्यान में आ गया होगा।

यह हाल है कांग्रेसियों का। सब कुछ देने के बाद भी थैंकफुल होने के बदले थैंकलेस ही नहीं कटुता दिखाते हैं। कभी आडवानी, मुरली मनोहर जोशी या रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर, विजय गोयल या हां अभी ताजा शिवराज सिंह चौहान या वसुंधरा राजे के मुंह से एक भी शब्द नकारात्मक सुना! कांग्रेस में ऐसे नेताओं की भरमार है बड़े नेताओं की जो सब कुछ पाकर भी पार्टी और नेता पर हमले करते हैं।

प्रणव मुखर्जी को राष्ट्रपति बनाया।मगर संघ मुख्यलय नागपुर जा पहुंचे। बेटी को दिल्ली का चीफ स्पोकसपर्सन। मगर वह किताब लिखकर राहुल और सोनिया को कोस रही हैं। जी 23 इन कांग्रेसियों ने ही बनाया था ना! अब फिर कमजोर दिख रही है तो 23 से ज्यादा भी इकठ्ठा हो जाएंगे। कांग्रेस की समस्या यह है, कृतघ्न नेता! जब तक मलाई मिलेगी चिपटे रहेंगे। फिर गालियां देंगे। इन पर सख्ती जरूरी है। थोड़े हों, कम हों पर विश्वसनीय हों। कार्यकर्ता राहुल के साथ हैं। उन्हें ही आगे लाना होगा। क्षत्रपों को भाव देना बंद करना होगा।

कांग्रेस पश्चिम बंगाल में चुन सकती है तृणमूल के साथ गठबंधन का विकल्प

सात्यकी चक्रवर्ती

19 दिसंबर को नई दिल्ली में भारत के घटक दलों की बैठक की पूर्व संध्या पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों से उपलब्ध सभी संकेत बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान बंगाल में भाजपा से मुकाबले के लिए संयुक्त रूप से 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तृणमूल कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन बनाने की इच्छुक है।

इसका मतलब यह है कि अगर कांग्रेस–टीएमसी गठबंधन आकार लेता है तो कांग्रेस को राज्य स्तर पर सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ अपना गठबंधन खत्म करना होगा। अब तक कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी से लड़ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य में उनके शासन की आलोचना करने में सबसे मुखर रहे हैं। वह इस स्थिति पर कायम रहे हैं कि राज्य कांग्रेस सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ गठबंधन में भाजपा और टीएमसी दोनों से एक साथ लड़ेगी। वर्तमान लोकसभा में, कांग्रेस के पास दो, भाजपा के पास 17 और टीएमसी के पास 23 सीटें हैं। 1964 में अपने गठन के बाद पहली बार सीपीआई (एम) के पास बंगाल से लोकसभा में कोई सीट नहीं है। 2019 के लोकसभा

चुनावों में, भाजपा को 18 सीटें मिलीं, लेकिन आसनसोल में बाद में हुए चुनावों में, टीएमसी ने भाजपा को हरा दिया और इसलिए भाजपा की ताकत घटकर 17 हो गई। इसके अलावा 2019 के एक और भाजपा विजेता अर्जुन सिंह ने भाजपा छोड़ दी और तृणमूल में शामिल हो गये, हालांकि आधिकारिक तौर पर वह अभी भी भाजपा के लोकसभा सदस्य माने जाते हैं। वहीं, बंगाल विधानसभा में भाजपा के विपक्षी नेता शुभेन्दु अधिकारी के पिता और काठी लोकसभा सांसद सिसिर अधिकारी ने टीएमसी से नाता तोड़ लिया है तथा वह अब अपने बेटे का समर्थन कर रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से पिछले पांच वर्षों में बंगाल के चुनावी परिदृश्य में टीएमसी के पक्ष में काफी बदलाव आया है। 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजों से पता चला कि टीएमसी दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में भाजपा से अपना खोया हुआ आधार वापस पाने में सफल रही है, लेकिन उत्तर बंगाल में भाजपा का प्रभाव अभी भी बना हुआ है। टीएमसी ने खुद अपना सर्वेक्षण किया है और उससे पता चला कि उत्तर बंगाल की छह लोकसभा सीटों पर जहां 2019 में भाजपा ने जीत हासिल की थी, वहां टीएमसी अपने दम पर उन्हें हराने की स्थिति में नहीं है, लेकिन अगर कांग्रेस के साथ गठबंधन होता है, तो छह में से कम से कम पांच सीटों पर भाजपा को हार मिल सकती है। सच तो यह है कि कांग्रेस अपने दम पर कोई भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन उत्तर बंगाल की कुछ सीटों पर उसका वोट आधार 5 फीसदी से 12 फीसदी के बीच होने से टीएमसी–कांग्रेस गठबंधन को जीत मिल सकती है। जहां तक कांग्रेस आलाकमान का सवाल है तो सूत्रों का कहना है कि उसका अपना आकलन कथित तौर पर दिखाता है कि कांग्रेस और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा का गठबंधन एक साथ टीएमसी से लड़कर भाजपा को हराने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस के अध्ययन में हाल के चुनावों में सीपीआई (एम) के वोट शेयर का विश्लेषण किया गया है। इसका आकलन बताया गया है कि अगर टीएमसी और सीपीआई (एम) के बीच कोई विकल्प चुनना है, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में सीटों की बढ़ोतरी निश्चित करने के लिए टीएमसी के साथ गठबंधन कांग्रेस के लिए वांछनीय है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 4 दिसंबर को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के साथ अपनी बातचीत में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दलों को बंगाल में संयुक्त रूप से लड़ने की आवश्यकता का उल्लेख किया था, जिस पर वह सहमत हुईं और उन्हें जल्द से जल्द सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू करने के लिए कहा। दोनों ने 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, टीएमसी ने चर्चा के पहले चरण में कांग्रेस को तीन सीटों की पेशकश की है, दो वर्तमान सीटें बरहामपुर और मालदह दक्षिण भी शामिल है। इसके अलावा खबर है कि टीएमसी ने कांग्रेस को रायगंज सीट की पेशकश की है। यह सीट अब भाजपा के पास है। कांग्रेस कम से कम छह सीटों की तलाश में है। लेकिन टीएमसी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की सीटों में और बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि कांग्रेस असम में टीएमसी को एक सीट और मेघालय में एक सीट पर सहमत होगी। ध्यान रहे कि असम में 14 लोकसभा सीटें और मेघालय को दो लोकसभा सीटें हैं। टीएमसी उत्तर बंगाल के जिलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो भाजपा का सबसे मजबूत क्षेत्र और टीएमसी के लिए सबसे कमजोर क्षेत्र है। दक्षिण बंगाल के जिलों में अब टीएमसी का दबदबा कायम है जहां भाजपा को हराने के लिए पार्टी को वस्तुतरू किसी समर्थन की जरूरत नहीं है। लेकिन उत्तर बंगाल के जिलों में 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा की ताकत में थोड़ी गिरावट आई है। फिर भी यह अच्छी संख्या में सीटें पाने के लिए पर्याप्त है। उत्तर बंगाल के जिलों की छह सीटों में अलीपुर दुआर, बालुरघाट, कूचबिहार, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और रायगंज शामिल हैं। इन सीटों पर भाजपा का वोट शेयर 59 फीसदी से लेकर न्यूनतम 40 फीसदी तक रहा था। 2014 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी को कुल 42 सीटों में से 34 सीटें मिली थीं, जो 2019 के चुनाव में वह घटकर 22 सीटों पर आ गई। अब टीएमसी फिर से 34 सीटों की उस ताकत को बहाल करने पर काम कर रही है।

छठी अखिल भारतीय भारत रत्न आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी आमन्त्रण कप 22 से 27 दिसम्बर 2023

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ 19 दिसम्बर 2023 पूर्व किशोर खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लखनऊ क्रिकेट अकादमी द्वारा छठी अखिल भारतीय भारत रत्न आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी आमन्त्रण कप का आयोजन दिनांक 22 दिसम्बर 2023 से 27 दिसम्बर 2023 तक लीग कम नाकआउट आधार पर स्थानीय एतिहासिक चौक स्टेडियम, नार्दन रेलवे स्टेडियम व सी०एम०एस० कानपुर रोड स्टेडियम पर किया जायेगा। सी०एम०एस० कानपुर रोड पर खेले जाने वाले मैच दिन रात्रि के होंगे जो दोपहर 2.30 बजे से व अन्य मैच प्रातः 9.30 बजे से खेले जायेंगे। आयोजक सचिव अरशी रजा ने प्रेस वार्ता में बताया कि रंगीन पोशाक व सफेद बॉल से खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता के सभी मैच 50–50 ओवरों के होगें। प्रतियोगिता में 5 टीमो को प्रवेश दिया गया है। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण प्रतियोगिता में भाग लेने वाली साउथ अफ्रीका जोहान्सबर्ग की चौट्स क्रिकेट अकादमी की टीम है। जो दिनांक दिनांक 21 दिसम्बर 2023 को अपराह्न 1.30 च.उ. बजे लखनऊ के अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचेगी। जहां उनका पारम्परिक तरीके से भव्य स्वागत लखनऊ क्रिकेट अकादमी आयोजकोंखेल प्रेमियों द्वारा किया जायेगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा (मोना जी) के करकमलों द्वारा किया जायेगा। जबकि प्रतियोगिता का समापन 27 दिसम्बर 2023 को सायं 4 बजे स्थानीय चौक स्टेडियम पर होगा। उद्घाटन व समापन के अवसर पर शहर के जानी मानी हस्तियाँ /खेल प्रेमियों को विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया है। प्रतियोगिता के सभी मैच में मैन आफ द मैच का पुरस्कार मैच की समाप्ति के उपरान्त दिया जायेगा।

स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर में टैबलेट/स्मार्ट फोन का वितरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। योगेन्द्र उपाध्याय कैबिनेट मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर, उत्तर प्रदेश में दिनांक 18 दिसम्बर, 2023 को एम.टेक. इन रिमोट सेन्सिंग तथा जी.आई.एस. के छात्रछात्राओं को टैबलेट्स वितरित किये गये। इस अवसर पर मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय जी द्वारा आर.एस.ए.सी., यू.पी. में संचालित एम.टेक कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स एवं मशीन लर्निंग से सम्बन्धित व्याख्यान श्रृंखलाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने छात्रछात्राओं से डिजिटल शक्ति के रूप में आवंटित किये गये टैबलेट्स का उपयोग देश के विकास कार्यों हेतु किये जाने का आवाहन किया गया। उन्होंने कहा कि टैबलेट वितरण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को विज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्री उपाध्याय ने वैज्ञानिकों एवं छात्रछात्राओं से कहा कि समाज से जो जिम्मेदारी हमें मिली है उसका हम निष्ठापूर्वक पालन करें, प्रदेश सरकार द्वारा डिजिटल सशक्तिकरण की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुये स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल तथा नर्सिंग के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रछात्राओं को स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत टैबलेट व स्मार्ट फोन उनके सम्बन्धित विश्वविद्यालय व महाविद्यालय व संस्थान के माध्यम से वितरित किये जा रहे हैं तथा इस योजना का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों का डिजिटल सशक्तिकरण है, जिससे उनका शैक्षणिक एवं कैरियर सम्बंधी विकास हो सके। रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर उत्तर प्रदेश द्वारा भी आधुनिक जियोस्पेशियल तकनीकों में शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे है जिससे प्रदेश के युवा लाभान्वित हो सकेंगे। कृषि, जल, मृदा, वन तथा भू संसाधनों, ग्रामीण तथा नगरीय विकास एवं विभागीय पोर्टल्स के सृजन में रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय द्वारा इस अवसर पर शिक्षा को संस्कार, रोजगार तथा विज्ञान से जोड़ने का भी आवाहन किया गया। उन्होने कहा कि शिक्षा के माध्यम से स्वाबलम्बी बनना अर्थात शिक्षा को रोजगार से जोड़ना है। सरकार द्वारा शिक्षा के स्तर में व्यापक सुधार करते हुए अंतिम छोर तक शिक्षा पहुँचाने का सशक्त प्रयास किया गया है।

श्री उपाध्याय ने आगे कहा कि हमारे देश में हर प्रकार के प्राकृतिक संसाधन हैं तथा वर्ष 2047 में विकसित देशों की श्रेणी में भारत को लाने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किये जाने चाहिए, इस हेतु आर.एस.ए.सी., यू.पी. के द्वारा किये जा रहे वैज्ञानिक कार्य महत्वपूर्ण होंगे तथा रिमोट सेन्सिंग, आई.टी. एवं आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स के माध्यम इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र भूषण प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा अध्यक्ष, प्रबन्धकारिणीसमिति आर.एस.ए.सी., यू.पी. ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कम्प्यूटर अधारित जी.आई.एस. तथा उभरती हुयी नयी अत्याधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशीयल इन्टेलीजेन्स एवं मशीन लर्निंग का समागम प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को 1 ट्रिलियन डालर इकानमी बनाये जाने के मा० मुख्य मंत्री जी द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। श्री नरेन्द्र भूषण ने आगे कहा कि आर.एस.ए.सी., यू.पी. द्वारा विद्यार्थियो को आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स, मशीन लर्निंग तथा फाईव जी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की शिक्षा प्रदान करते हुए मा० प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र भूषण ने आर.एस.ए.सी., यू.पी. में रिमोट सेन्सिंग तकनीक में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों से भी संवाद किया उन्होने आर.एस. ए.सी. यू.पी. के स्कूल आफ जियो इन्फामेटिक्स के एम.टेक के छात्रछात्राओं से भी विस्तार से चर्चा की।

डा० पी. कुँवर निदेशक, आर. एस.ए.सी., यू.पी. ने छात्रछात्राओं से रिमोट सेन्सिंग तकनीकों का उपयोग कर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने का आवाहन किया तथा प्राकृतिक संसाधनो के क्षेत्र में आर.एस.ए.सी., यू.पी. द्वारा किये जा रहे कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। डा० सुधाकर शुक्ला प्राभागाध्यक्ष स्कूल ऑफ जियो इन्फारमेटिक्स ने आर.एस.ए. सी., यू.पी. द्वारा संचालित एम.टेक कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी तथा अधिकाधिक छात्रछात्राओं को रिमोट सेन्सिंग में उच्च शिक्षा दिये जाने हेतु प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में आर.एस.ए.सी. के एम.टेक. कार्यक्रम के समस्त फैकल्टी मेम्बर्स, वैज्ञानिक तथा एम.टेक. के लाभार्थी छात्रछात्राएं उपस्थित थे। अमित सिन्हा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

विषम परिस्थितियों में करें अंबलाइकल कैथेटर का उपयोग-डॉ श्याम करन

सुल्तानपुर–जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ श्याम करन ने बताया कि विषम परिस्थितियों में अंबलाइकल कैथेटर का प्रयोग करें ताकि जिससे मरीजों को तत्काल फायदा मिल सके।अंबलाइकल कैथेटर तब लगाया जाता है जब बॉडी में नस नही मिलती।अंबलाइकल कैथेटर एक लंबी मुलायम खोखली ट्यूब होती है जो नाभि कैथेटर (यूएसी) बिना सुई चुभोए अलग अलग समय पर शिशु से रक्त लेने साथ ही दवा देने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसका उपयोग बच्चे के रक्तचाप की लगातार निगरानी के लिए भी किया जा सकता है। जिला अस्पताल में नॉर्मल पैदा हुए एक नवजात बच्चे की तबियत अचानक खराब होने के बाद परिजनों ने उसे जिला महिला चिकित्सालय में दिखाया हालात नाजुक होने के दौरान डॉक्टर ने उस बच्चे को जिला महिला चिकित्सालय के एस एन सी यू वार्ड में में भर्ती कराया जहां डॉक्टर श्याम करन, डॉली तिवारी,स्टॉफ नर्स शिवा सिंह की निगरानी में इलाज शुरू कर दिया।

आनंदम पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यालय की गतिविधि का संपूर्ण विकास होता है : कमलेश कुमार गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रुड़की,हरिद्वार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की के प्रांगण में दो दिवसीय आनंदम पाठ्यचर्या प्रशिक्षण का समापन हुआ।

इस प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर प्रभारी प्राचार्य धुम्रय शिक्षा अधिकारी हरिद्वार कमलेश कुमार गुप्ता ने कहा कि आनंदम पाठ्यचर्या की माध्यम से विद्यालय की गतिविधि का संपूर्ण विकास होता है।

आनंदम पाठ्यचर्या प्रशिक्षण जिला समन्वयक प्रवक्ता राजीव आर्य ने बताया कि आनंदम पाठ्यचर्या प्रशिक्षण मे हरिद्वार ने उत्तराखंड में नया कीर्तिमान बनाया है।

दूसरे दिन संपन्न आनंदम प्रशिक्षण कार्यक्रम में लम्य फाउंडेशन की ओर से राज्य स्तरीय आनंदम कोर समिति के सदस्य प्रणय कुमार तथा अमर चिखले ने आनंदम प्रशिक्षण में सहयोगी के रूप में उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रवक्ता कविता वर्मा, देवयानी शर्मा, मुजीब अहमद तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अविनाश गौरव का योगदान रहा। इस अवसर पर नीलम सक्सेना, विजेंद्र कुमार, मदन गोपाल, संगीता,, मनमोहन शर्मा, भूपेंदर, संगीता कुमारी तथा आलोक दिवेदी आदि शिक्षकों ने उपस्थित होकर आनंदम पाठ्यचर्या प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

विश्वविद्यालय के 32 छात्र का प्लेसमेंट हुआ

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से एआईएम एस प्लेसिमेंट लिमिटेड कंपनी से 32 छात्र चयनित हुए। ये सभी छात्र कंपनी में रु 25 हजार स्टायपेंड से ट्रेनिंग शुरू करेंगे। प्रो मधुरिमा लाल निदेशिका सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने बताया कि अब सेंट्रल प्लेसमेण्ट सेल देश का सबसे शक्तिशाली प्लेसमेंट सेल हो गया है। एक ही सेशन में 800 से अधिक प्लेसमेंट व इंटर्नशिप कराकर एक अलग पहचान बना ली है।

सीआईएसवी मिनी कैम्प का 'ओपेन डे समारोह'

संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय सी.आई.एस.वी. मिनी कैम्प का 'ओपेन डे समारोह' सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सी.एम.एस. के मेधावी छात्रों ने शिक्षात्मक–सॉस्कृतिक प्रस्तुतियों से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार रूप देने के साथ ही एकता, शान्ति व सौहार्द से परिपूर्ण हरी–भरी खुशहाल धरती का अलख जगाया। विदित हो कि यह तीन दिवसीय मिनी कैम्प 'इन्वायरनमेन्टल सस्टेनेबिलिटी' थीम पर आयोजित किया गया, जिसमें सी.एम.एस. के 18 कैम्पसों के 10 से 11 वर्ष उम्र के छात्रों ने अपने टीम लीडर के नेतृत्व में प्रतिभाग किया एवं तीन दिनों तक एक साथ एक छत के नीचे साथ–साथ रहकर प्रेम, शान्ति, एकता, सहयोग और भाईचारे का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कैम्प में पर्यावरण जागरूकता से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सम्पन्न हुआ। मिनी कैम्प का उद्देश्य भावी पीढ़ी में पर्यावरण संवर्धन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं आपसी भाईचारा, विश्व शांति तथा विश्व बन्धुत्व की भावना का समावेश करना है। इससे पहले, सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने 'ओपेन डे समारोह' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. गाँधी ने कहा कि सी.एम.एस. केवल किताबी ज्ञान न देकर बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा से भी ओतप्रोत कर बच्चों का सम्पूर्ण विकास करने को प्रतिबद्ध है और आज का यह कार्यक्रम इन्हीं विचारों का साकार रूप है। यह बाल शिविर छात्रों के बीच आपसी समझ को बढ़ाने एवं उन्हें एकता, शान्ति व भाईचारे के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है, साथ ही साथ पर्यावरण जैसी वैश्विक चुनौतियों के शान्तिपूर्ण समाधान हेतु प्रेरित करता है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए छात्राओं ने निकाली रैली

संवाददाता

लखनऊ। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अन्तर्गत रोड सेफ्टी क्लब के तत्वाधान में बी०एड० विभाग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए बी०एड० की प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलनेवाले सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अभियान का मकसद शीत ऋतु में घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं से होनेवाली मौत को कम करना और जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। इस रैली का आरम्भ शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष ,एवं सड़क सुरक्षा क्लब की संयोजक डॉ सीमा पांडे के द्वारा छात्राओं को शपथ दिलाकर किया गया। कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने छात्राओ को यातायात के नियमों की जानकारी दी।

कौशल विकास ने किया चिकित्सा शिविर का आयोजन जिसमें 290 का हुआ परीक्षण

जौनपुर। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण प्रदाता उद्योग विकास संस्थान द्वारा सोमवार को नगर के महरूपुर स्थित अशोक सिंह फार्मेसी कॉलेज में एकदिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया,जिसमे लगभग 290 लोगो का चिकित्सकीय परीक्षण करके परामर्श दिया गया।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी डी महाविद्यालय के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित कौशल विकास योजना से देश के युवाओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रदाता संस्था उद्योग विकास संस्थान द्वारा जो प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज इस मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया है यह प्रशसनीय है,भविष्य में भी ऐसे ही कैम्प का आयोजन होते रहना चाहिए।

कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक व जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकांत सरोज ने कहा कि कौशल विकास मिशन का उद्देश्य युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार दिलवाना है,उद्योग विकास संस्थान द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाने के लिये जो कार्यक्रम कराए जा रहे हैं वे बधाई के पात्र हैं। उद्योग विकास संस्थान के प्रोजेक्ट हेड राजीव पाठक ने बताया कि वर्तमान में उक्त परिसर में कौशल विकास मिशन के अंतर्गत टेलेहेल्थ सर्विसेज को ऑर्डिनेटर का कोर्स संचालित किया जा रहा है,जिसके क्रम में आज मेडिकल कैम्प का आयोजन इस उद्देश्य के साथ किया गया है कि वास्तविक चिकित्सकों व मरीजों के साथ को ऑर्डिनेटर की भूमिका का निर्वहन करना ये प्रशिक्षणार्थी सीख सकें।इस अवसर पर चिकित्सकीय पैनल में उपस्थित जनपद के तीर्थराज हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध डॉ मुकेश शुक्ल,डॉ शिखा शुक्ला, डॉ प्रभात कौशल, डॉ मिथिलेश श्रीवास्तव, डॉ आनंद कुमार,डॉ गौरव प्रकाश मौर्य,डॉ दिनेश कुमार को अतिथि द्वय के द्वारा स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कैम्प के संयोजक राजेश मौर्य ,डी. डी. यू.जी. के.वाई. के डीपीएम प्रभात पांडेय,ट्रेनर अनुज पटेल,अशोक मौर्य,के प्रिंसिपल जयंत कुमार मौर्य,रजिस्ट्रार उमाकांत गिरी,करिश्मा गौड़,अंजली,समेत कौशल विकास के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

ध्वस्तीकरण से पहले तैनात होगी कई थानों की फोर्स

20 दिसंबर के बाद चलेगा अभियान, एलडीए ने 10 से ज्यादा जेसीबी की करीब व्यवस्था

संवाददाता

लखनऊ। अकबर नगर में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए रात को ही पुलिस की टीम तैनात कर दी जाएगी। इसके लिए एलडीए ने अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की है। बताया जा रहा है कि इसके लिए कई थानों की पुलिस को तैनात किया जाएगा। गाजीपुर और महानगर सहित आस– पास के अन्य थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच सकती है। एलडीए अधिकारियों का कहना है कि 20 दिसंबर के बाद कभी भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है। इसके लिए 10 जेसीबी की व्यवस्था की गई है। दरअसल, एलडीए के ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ कई लोगों ने मंडलायुक्त कोर्ट में अपील कर दी थी। मंडलायुक्त ने 15 दिसम्बर देर रात ध्वस्तीकरण की याचिका को खारिज करते हुए आदेश चस्पा कर दिया था। वहीं, इस पर कई लोग कमिश्नर और हाई कोर्ट में रिवीजन अपील करने की तैयारी में है। उधर, एलडीए ने ध्वस्तीकरण को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। प्रशासन को पत्र लिख कर एलडीए पुलिस, अर्ध सैनिक बल सहित कई अतिरिक्त फोर्स की मांग की है। एलडीए अकबर नगर प्रथम और द्वितीय में कुल 1169 निर्माण को ध्वस्त करेगा। इसमें 111 व्यवसायिक निर्माण भी शामिल हैं। एलडीए ने यहां अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश डेढ़ माह पहले ही दिए थे। अभी तक यूपी में माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर अभियान चला है, लेकिन अवैध निर्माण पर इतने बड़े पैमाने पर पहला अभियान चलने जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह यूपी के इतिहास का सबसे बड़ा अभियान होगा। एक साथ इतने बड़े पैमाने पर अभी अभियान नहीं चला है। इससे पहले भिकमपुर इलाके में एलडीए कई घरों को गिरा चुका है। अब अकबर नगर इलाके में बड़े स्तर पर कार्रवाई करने की योजना है। कुकरैल नदी को छोटे रिवर फ्रंट के तौर पर विकसित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि खुद सीएम योगी आदित्यनाथ इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी ले रहे हैं। ऐसे में इस काम में प्रशासन कोई भी ढिलाई बरतने को तैयार नहीं है। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। इसलिए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है।

बच्चे भविष्य ही नहीं वर्तमान भी हैं। इकौना, श्रावस्ती में हुई किशोरों के अर्थपूर्ण सहभागिता पर कार्यशाला

इकौना (श्रावस्ती)। जहां हमारी बात हो, वहां हमारा साथ हो। सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में बच्चों व किशोरों की सहभागिता सबसे ज्यादा जरूरी है।

बाल सहभागिता के कार्यक्रमों को सशक्त और प्रभावी बनाने मे विभागीय अधिकारियों व हितधारकों से परामर्श एवं संवेदीकरण के लिए श्रावस्ती जिले के इकौना तहसील में आयोजित

कार्यशाला में बोलते हुए यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि आज की कार्यशाला ऐतिहासिक है क्योंकि यहां विभिन्न विभागों के अधिकारियों व हितधारकों के साथ एक मंच पर किशोरों की सहभागिता पर बात हो रही है। उन्होंने कहा कि सतत विकास के कई सूचकांक जैसे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा व संरक्षण आदि सीधे बच्चों से जुड़े हैं जिन पर काम किया जाना है।

निपुण गुप्ता ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बच्चों की अधिकाधिक सहभागिता उन्हें अच्छा नागरिक बनाने में मदद करेगी और वो देश व समाज के विकास में हितधारक बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश के भविष्य ही नहीं वर्तमान भी हैं।

कार्यशाला का उद्घाटन श्रावस्ती के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा एपी सिंह ने किया। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता के लिए बच्चों की सहभागिता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था जीवन का सबसे अहम पड़ाव है। श्री सिंह ने इस अवस्था में बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा में होने वाले परिवर्तनों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नीति बनाने वाले भी कभी इस अवस्था से गुजरे हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य को देश के विकास के लिए सबसे अहम बताते हुए उन्होंने कहा कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

कार्यशाला में अपनी बात रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की बाल अधिकार कमेटी में सलाहकार किशोर कार्तिक वर्मा अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे विभिन्न स्तरों पर सहभागिता बढ़ाते हुए काम हुआ है। उन्होंने किशोर सहभागिता के सामने चुनौतियों का भी जिक्र किया। कार्तिक वर्मा ने प्रभावी सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि किशोरों की दशा में सुधार के लिए यह सबसे ज्यादा जरूरी है।

श्रावस्ती जिले में पोषण मित्र के तौर पर काम कर रही गरिमा और अमर ने अपने अनुभव साझा किए। गरिमा ने बताया कि यूनिसेफ की ओर से चलाए जा रहे पोषण कार्यक्रम से परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में यूनिसेफ की राज्य सलाहकार ऋचा श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों के लिए किशोरों से संबंधित एक क्विज का आयोजन किया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, आईसीडीएस , पीके दास ने कहा कि बच्चों के मुद्दों को नीतियों में शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को शिक्षा के साथ उचित मार्गदर्शन की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चे आज अपने माता–पिता से मित्र नहीं हैं जबकि उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताने की जरूरत है।

यूनिसेफ के बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश कुमार ने श्रावस्ती जिले के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए किशोरों की सहभागिता बढ़ाने और उन्हें विकास में हितधारक बनाने पर जोर दिया।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों व वक्ताओं से हुए विचार विमर्श में विभिन्न बाल मंचों और इस तरह के उपलब्ध प्लेटफार्म को सशक्त बनाने का सुझाव रखा। साथ किशोरों की सहभागिता बढ़ाते हुए उन्हें विकास का भागीदार बनाने की बात कही।

कार्यशाला में श्रावस्ती जिला प्रशासन, स्वास्थ्य, ग्राम विकास, पंचायत राज, शिक्षा, पुलिस एवं बच्चों व किशोरों से संबंधित विभागों के कर्मियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों संयुक्त राष्ट्र संघ में बाल परामर्शी, पोषण मित्रों, यूनिसेफ के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के आयोजन व संचालन में सहयोग शरणम सेवा समिति ने किया। समिति के सचिव शरफ अब्बास खान ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में यूनिसेफ के राज्य सलाहकार डा आशीष कुमार, शरणम समिति से संजीव जैन, यूनिसेफ के मंडलीय सलाहकार संतोष राय, अनुराग जादौन, साकेत कुमार व डीएमसी अमित श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

85 प्रधानाध्यापकों के वेतन अवरुद्ध करने पर फूटा शिक्षको का गुस्सा

MDM अनियमितता में हो ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्यवाही

सूचना के बाद भी 5 महीने से विभाग बना रहा मौन आंदोलन की चेतावनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों द्वारा फल वितरण न करने के कारण 85 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का वेतन रोकने पर बीएसए जौनपुर गोरखनाथ पटेल से मिलकर ज्ञापन सौंपा और

शिक्षको की बजाय डक्ड का वास्तविक संचालन करने वाले ग्राम प्रधानों पर कारवाई की मांग की ।

जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने बताया कि विगत 5 माह से प्रत्येक माह ठम्व की समीक्षा बैठक में प्रधानाध्यापकों द्वारा सूचित करने के बावजूद विभाग द्वारा ग्राम प्रधानों के खिलाफ न कोई कारवाई की गई और न फल वितरण कराने का प्रयास ही किया गया, विभाग मौन बना रहा, अब शिक्षको को बलि का बकरा बनाते हुए उनका वेतन अवरुद्ध किया जा रहा है, जो अविधिक और अन्याय है । शिक्षको के असंतोष एवम आक्रोश को देखते हुए संगठन ने निर्णय लिया है कि ग्राम प्रधानों की अनियमितता का दंड यदि शिक्षको को दिया गया और शिक्षको का अवरुद्ध वेतन बहाल नहीं किया जाता तो शिक्षक चुप नही बैठेगा, आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए हम विवश होंगे । प्रतिनिधिमंडल के द्वारा बताया गया कि शिक्षक जब डक्ड संचालन करने वाले ग्राम प्रधान से मेन्यू के अनुसार भोजन बनवाने, फल वितरण और दूध वितरण की बात करते है तो अधिकांश ग्राम प्रधान उल्टा शिक्षक पर ही दबाव बनाते है और उनके साथ मारपीट करते है , और ये सब शिक्षक झेलता है , विभाग भी कही नही खड़ा होता । आज शिक्षक ग्राम प्रधान और विभाग के बीच में पीसा जा रहा है । ऐसी स्थिति में विभाग ग्राम प्रधान या प्रधानाध्यापक किसी एक की जिम्मेदारी तय करें ।

वार्ता में बीएसए जौनपुर डाव गोरखनाथ पटेल जी द्वारा फल वितरण न करने वाले ग्राम प्रधानों की सूची जिलाधिकारी महोदय को करवाई हेतु भेजने एवम प्रधानाध्यापकों के अवरुद्ध वेतन बहाल करने का भरोसा दिलाया । प्रतिनिधिमंडल में रवि चांद यादव, लक्ष्मीकांत सिंह, रामदुलार यादव , विष्णु तिवारी, मनोज यादव, सुनील कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

अहिंसा के रास्ते युवा चेतना व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

सुजानगंज, जौनपुर। एक दिवसीय संगोष्ठी ष्अहिंसा के रास्ते युवा चेतना व सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राजनीति की पाठशाला उत्तर प्रदेश अध्यक्ष व शिक्षक कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षा रत्न डॉ प्रमोद के सिंह ने "कमला देवी विभूति नारायण पब्लिक स्कूल" सरायभोगी , सुजानगंज के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा अहिंसा के रास्ते से ही मानव धर्म व इंसानियत का भाव सुरक्षित हो सकता है । आज के युवाओं को अपने देश व इस ब्रम्हाण्ड को समझने, जानने व सीखने की जरूरत है । हमारे देश का सबसे बड़ा ग्रंथ हमारा संविधान है !संविधान की रक्षा की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है , संविधान रहेगा तो लोकतंत्र रहेगा । युवाओं को महात्मा गांधी जी, भीम राव अंबेडकर जी, मदर टेरेसा जी जैसे तमाम महान पुरुषों से प्रेरणा लेकर जिंदगी की जिंदगी को आसान बनाए । प्रतिभागी रहे प्रथम स्थान पाने वाले श्रेयांश यादव, अंश पटेल,सौरभ निषाद,संध्या निषाद, पीहू सिंह ,अंशु यादव ,श्रेया पटेल वंशिका सोनी ,प्रिया यादव ,दिया शर्मा साक्षी यादव दस छात्र छात्राओं को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र, द्वितीय स्थान पाने वाले दस छात्र छात्राओं को ब्राउन्स मेडल व प्रमाण पत्र, तृतीया स्थान प्राप्त करने वाले दस छात्र छात्राओं को सिल्वर मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । विशिष्ट अतिथि श्याम शंकर उपाध्याय व अतिथि पत्रकार मयंक मणि त्रिपाठी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम अध्यक्षता शुशील कुमार मिश्रा व आभार प्रकट प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने किया । अरविंद तिवारी, राहुल आजाद, अनिकेत उपाध्याय, अंजलि तिवारी, रेशमा विश्वकर्मा, आंचल चतुर्वेदी, सचिन कुमार गुप्ता, बिंदु गुप्ता, आशा यादव, आरुषि, निशा विश्वकर्मा, अमृता गौड़, काजल सरोज, आंचल सरोज, राम अकबाल मौर्य, सुनीता मैडम, अमन कुमार जैन आदि शिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहे।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

'व्यक्तित्व विकास,सामाजिक मूल्यो एवं नैतिकता का प्रतीक-सरस्वती डेंटल कॉलेज'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिसंबर 2023 में रजत जयंती उत्सव के 18वें दिन, सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल ने युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संकटष विषय पर 'यूजी वैज्ञानिक प्रस्तुति' का आयोजन करके उत्सव जारी रखा।

प्रतियोगिता के प्रतिभागी थेरूचावला—सक्षम कोहली.

रमन—अदिति चउरासीह टैगोर—इक्षाकु सैकिया कश्यप। और कृष्णन – यशस्वी बनर्जी।

कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. जीतेन्द्र कुमार अरोरा, डॉ. सुलेमान अब्बास डॉ. अनिल झा (डीन यूजी)

प्रतिभागियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्धा करने वाले विषय पर उत्कृष्ट स्लाइड बनाई और वास्तव में अच्छी तरह से समझाया।

यूजी वैज्ञानिक प्रस्तुति के विजेता अदिति चौरसिया (प्रथम स्थान), यशस्वी बनर्जी (द्वितीय स्थान) और इक्षाकु सैकियाकश्यप (तीसरा स्थान) थे।

यह कार्यक्रम साहित्यिक प्रमुख डॉ. श्वेता सिंह और उनकी टीम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

उधर लड़कों की शतरंज प्रतियोगिता में फाइनल चावला और कृष्णन के बीच हुआ। खिलाड़ीरू चावला हाउस से मधुर अग्रवाल और कृष्णन हाउस से डॉ. तुषार माथुर। विजेता कृष्णन से डॉ. तुषार माथुर थे।

आज चावला और कृष्णन के बीच फुटबॉल लीग मैच की शुरुआत भी हुई. चावला हाउस का प्रतिनिधित्व नवनीत यादव ने किया

टीम— लक्ष्य जायसवाल, विक्की सिंह, एमडी अम्मान, मधुर मोहन तिवारी, सौमोदीप मंडल, विकास प्रजापति, विवेक पांडे, शुभम रशिल, अंकित मनीष।

कृष्णन टीम—डॉ. तुषार माथुर, अभिराज कुमार, डॉ. अतुल गुप्ता, राहुल प्रकाश, अमन यादव, डॉ. तमोघना विश्वास, डॉ. मिहिर, आशुतोष शर्मा, निश्चय, कान्हा मालवीय, अनुराण डे, अमन सोनी ८

मैच बहुत कड़ा था, दोनों टीमों ने बहुत अच्छा खेला जिसके परिणामस्वरूप उनके बीच '(स्कोर 1—1)' पर बराबरी हुई। कम रोशनी की स्थिति के कारण टाई ब्रेकर को कल के लिए स्थगित कर दिया गया। देखते हैं इनमें से कौन जीतेगा और फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा।

यह सब संकाय खेल प्रमुख डॉ. सुलेमान अब्बास, कॉलेज कप्तान – मानसी बिष्ट और खेल सचिव – अक्षत तिवारी, मुस्कान श्रीवास्तव और टीम के मार्गदर्शन में हुआ।

कॉलेज पर आज की जानकारी—

सरस्वती डेंटल कॉलेज एवम हॉस्पिटल की 'ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी शाखा दंत चिकित्सा और अन्य चिकित्सा' के बीच एक सेतु का कार्य करती है।

विभाग की विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे—अकल दाढ़ की सर्जरी, स्थायी दंत प्रत्यारोपण (डेंटल इम्प्लांट) जैसी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के अतिरिक्त यहां सभी प्रकार के मुख कैंसर, सिर और चेहरे की चोट (क्रैनियोफेशियल ट्रॉमा), का सर्वोत्तम इलाज उपलब्ध हैद्य यहां गत 25 वर्षों में 5000 से अधिक घातक चरण की कैंसर सर्जरी एवम 20000 से अधिक ट्रॉमा जैसी जीवन रक्षक सर्जरी सफलतापूर्वक कर के मरिजों की जान बचाई जा चुकी है और जो संख्या अब साल दर साल बढ़ती जा रही हैद्य

इसके अतिरिक्त कुछ अन्य विभागीय विशिष्टताएँ जैसे— चेहरे का पुनर्निर्माण , जबड़े के जोड़ में किसी प्रकार की असामान्यता,रोग अथवा चोट (टीएमजे सर्जरी), असामान्य जबड़े जैसे—निचला जबड़ा बाहर निकला हुआ या अत्यधिक पीछे की ओर(ऑर्थोग्नेथिक सर्जरी) और चेहरे का सौंदर्यीकरण आदि उल्लेखनीय उपचार प्रक्रियाएं भी यहां उपलब्ध हैंद्य जिसके लिए यहां सभी विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित और अत्यधिक विकसित ऑपरेशन थिएटर के साथ— साथ इम्प्लांट क्लिनिक, हेयर ट्रांसप्लांट, एवम फेशियल एस्थेटिक क्लिनिक उपलब्धा हैद्य यहां अत्यधिक योग्य ,विश्वसनीय और अनुभवी शल्य चिकित्सक हैं जो न केवल उत्कृष्ट इलाज प्रदान करते हैं ब्लकि ठीक होने वाले रोगियों को उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विश्व स्तरीय पोस्ट ऑपरेटिव सुविधाएं और उत्कृष्ट वातावरण भी प्रदान करते हैं जो इस विभाग की विशिष्टता एवं विशेषता है।

कॉलेज विश्व स्तरीय दंत चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर रहा है।

नया शिक्षा सेवा आयोग ,भ्रष्टाचार और मुकदमेंबाजी को बढावा देगा- रमेश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अंततरू नये शिक्षा सेवा आयोग ने न केवल मूर्तरूप ले लिया है बल्कि इसने कई सारी शंकाओं और चिन्ताओं को भी जन्म दिया है।विशेषरूप से माध्यमिक शिक्षा के सम्बन्ध में।नए आयोग के गठन की अधिसूचना के साथ ही माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग का अस्तित्व भी समाप्त हो गया है और साथ ही चयन बोर्ड अधिनियम भी।इसके साथ ही माध्यमिक शिक्षकों की सेवा – सुरक्षा के साथ—साथ नियुक्ति, पदोन्नति ,दंड एवं पुरस्कार सब कुछ लाल फीताशाही एवं लेट— लतीफी का शिकार हो जाएगा। इसका मुख्य कारण ,1921 ई0 के मा0 शिक्षा अधिनियम के विभिन्न उपबंध हैं ,जिससे उत्पन्न कठिनाइयों के परिणामस्वरूप होने वाले शोषण के खिलाफ उ0प्र0मा0 शिक्षक संघ ने लगातार आन्दोलन कर प्रदेश सरकार द्वारा मा0 शिक्षा सेवा चयन बोर्ड और अधिनियम, अधिनियमित कराया था।नया आयोग जो 1921 के मा0शिक्षा अधिनियम के अनुसार माध्यमिक शिक्षकों के सम्बन्ध में अग्रेतर कार्यवाहियां करेगा उसमें जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों एवं प्रबन्धकों की लेट— लतीफी और तानाशाही से नयी समस्याएं खडी होंगी जो अंततः मा0 शिक्षा को चौपट कर देंगी।इससे बचने के लिए आवश्यक है कि चयन बोर्ड अधिनियम के सभी उपबंधों को यथावत बनाए रखते हुए मा0 शिक्षकों के सम्बन्ध में नया शिक्षा सेवा आयोग , पुराने मा0शिक्षा सेवा आयोगध चयनबोर्ड की भांति कार्य करते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग करे।

कौशल विकास के चिकित्सा शिविर में 290 का हुआ नि:शुल्क परीक्षण व दवा वितरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण प्रदाता उद्योग विकास संस्थान द्वारा सोमवार को नगर के महरूपुर स्थित अशोक सिंह फार्मेसी कॉलेज में एकदिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया,जिसमे लगभग 290 लोगो का चिकित्सकीय परीक्षण करके परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया ।उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी डी महाविद्यालय के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित कौशल विकास योजना से देश के युवाओं को लाभ मिल रहा है ।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रदाता संस्था उद्योग विकास संस्थान द्वारा जो प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज

इस मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया है यह प्रशसनीय है,भविष्य में भी ऐसे ही कैम्प का आयोजन होते रहना चाहिए ।कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक व जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकांत सरोज ने कहा कि कौशल विकास मिशन का उद्देश्य युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार दिलवाना है,उद्योग विकास संस्थान द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाने के लिये जो कार्यक्रम कराए जा रहे हैं वे बधाई के पात्र हैं ।उद्योग विकास संस्थान के प्रोजेक्ट हेड राजीव पाठक ने बताया कि वर्तमान में उक्त परिसर में कौशल विकास मिशन के अंतर्गत टेलेहेल्थ सर्विसेज को ऑर्डिनेटर का कोर्स संचालित किया जा रहा है,जिसके क्रम में आज मेडिकल कैम्प का आयोजन इस उद्देश्य के साथ किया गया है कि वास्तविक चिकित्सकों व मरीजों के साथ को ऑर्डिनेटर की भूमिका का निर्वहन करना ये प्रशिक्षणर्थि सीख सकें ।इस अवसर पर चिकित्सकीय पैनल में उपस्थित डॉ प्रभात कौशल,डॉ मुकेश शुक्ल,डॉ शिखा शुक्ला,डॉ मिथिलेश श्रीवास्तव, डॉ आनंद कुमार,डॉ गौरव प्रकाश मौर्य,डॉ दिनेश कुमार को अतिथि द्वय के द्वारा स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कैम्प के संयोजक राजेश मौर्य ,डी. डी. यू.जी. के.वाई. के डीपीएम प्रभात पांडेय,ट्रेनर अनुज पटेल,अशोक फार्मेसी के प्रिंसिपल जयंत कुमार मौर्य,रजिस्ट्रार उमाकांत गिरी,करिश्मा गौड़,अंजली,समेत कौशल विकास के प्रशिक्षणर्थि उपस्थित रहे।

बाराबंकी की भगहर झील का होगा विकास,4.38 करोड़ मंजूर

संवाददाता

लखनऊ। बाराबंकी के प्रसिद्ध देवा मंदिर के निकट स्थित भगहर झील को ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 4.38 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रारम्भिक चरण में झील के विकास के लिए 01 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करा दी गयी है।

झील का विकास हो जाने से यहाँ पर पर्यटकों का आना—जाना शुरू होगा और व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय लोगों को आमदनी बढ़गी। प्रदेश के पर्यटन संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महादेवा मंदिर में न केवल बाराबंकी बल्कि लखनऊ समेत अन्य जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां से कुछ दूरी पर ही 84 हेक्टेयर में फैली भगहर झील है। पर्यटन विभाग अब इस झील को ईको पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। यहां पहले से हरियाली है, इसके आसपास पाथवे बनाया जाएगा।

इतना ही नहीं झील के भीतर और किनारे पर वॉक—वे बनाया जाएगा। वॉक—वे बनने के बाद यह बेहद आकर्षक हो जाएगा। बच्चों के लिए खेल स्थल बनेगा। इस स्थान पर झूले भी लगाए जाएंगे।

राज्यपाल की अध्यक्षता में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ का 13वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपालव ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली मेधावियों को 45 पदक प्रदान किए, जिसमें 20 पदक छात्रों ने एवं 25 पदक छात्राओं ने हासिल किए। इसके साथ ही समारोह में कुल 110 उपाधियां प्रदान की गई। जिसमें स्नातक स्तर पर 52 ,परास्नातक स्तर पर 55 तथा 03 शोध उपाधि प्रदान की गयीं। सभी 110 उपाधियां डिजिलॉकर में अपलोड कर दी गई। मुख्य अतिथि कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण को भौतिक शास्त्र में पढ़ने, एक अधिकारी के रूप में दायित्व संभालने तथा नृत्यांगना के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करने पर त्रिवेणी संगम बताया।

राज्यपाल ने संगीत के क्षेत्र में गुरु और शिष्य की परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि शिक्षकों द्वारा अपना ज्ञान शिष्यों को प्रदान करने में कोई कमी नहीं रखी जाए। जिससे गुरू शिष्य की समृद्ध परंपरा कायम रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरुजनों का मान रखने हेतु भी आह्वान किया। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन मे भारत में कला के रस और रंगों को जीवन का पर्याय मानते हुए कहा कि भारत में जीवन की अलग—अलग जरूरतों व दायित्वों को 64 कलाओं से जोड़ा गया है।

राज्यपाल ने संगीत एवं नृत्य को एक साधना बताते हुए उत्तर प्रदेश की संगीत परंपरा को प्राचीनतम और समृद्ध बताया तथा उसके संरक्षण हेतु कार्य करने को कहा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के एकमात्र संगीत विश्वविद्यालय, भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना के 97 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए आने वाले शताब्दी वर्ष में नई ऊंचाइयों की प्राप्ति की कामना की। राज्यपाल ने समारोह में आए स्कूली बच्चों को दीक्षांत समारोह से सीखने, संकल्प लेने व अच्छी शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित होने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय में सगर्भा माताओं के संस्कार के कार्य को शुरू किए जाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो मांडवी सिंह ने समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं अपने सम्बोधन में भारतीय कलाओं का प्रभाव सम्पूर्ण विश्व पर बताया तथा विभिन्न कलाओं के मध्य अंतर्सम्बन्ध स्थापित किये जाने की आवश्यकता को बताया। समारोह में राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कर रहे नारी शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज, लखनऊ की 30 छात्राओं को उपहार स्वरूप पठन—पाठन सामग्री व स्कूली बैग प्रदान किए गए।

संयुक्तयुवा मोर्चा ने बनाई देशव्यापी अभियान की रूपरेखा : सचान

संवाददाता

लखनऊ। जवाहर भवन नई दिल्ली में संयुक्त युवा मोर्चा की मीटिंग में शामिल रहे युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने मीटिंग के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार के सवाल पर देशव्यापी अभियान चलाने और आम चुनाव तक बेकारी के सवाल को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने के लिए कार्ययोजना बनी। मीटिंग में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि देश में आजीविका के गहराते संकट गहराता जा रहा है लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार के इसे हल करने को लेकर कतई गंभीर नहीं है, उल्टे भाजपा सरकारों द्वारा रोजगार सृजन और रिकॉर्ड सरकारी नौकरी मुहैया कराने के बढ़ा चढ़ा कर दावे किए जा रहे हैं जिनका सच्चाई से कोई सरोकार नहीं है। बेरोजगारी से त्रस्त होकर छात्रों व युवाओं की तेजी से बढ़ती सुसाइड की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई गई।

बेकारी के मुद्दे को लेकर देश का ध्यान आकृष्ट कराने के मकसद से युवाओं द्वारा संसद में किए गए प्रदर्शन में यूएपीए जैसी धाराएं लगाने को अनुचित बताते हुए संसद सत्र में चर्चा कर आजीविका संकट करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। मीटिंग में प्रयागराज, लखनऊ, देहरादून समेत देश भर में युवाओं द्वारा जारी आंदोलनों के समर्थन करने का भी निर्णय लिया गया।

संयुक्त युवा मोर्चा के एजेंडा में प्रमुख रूप से रोजगार गारंटी कानून बनाने, रिक्त पड़े एक करोड़ पदों को भरने, आउटसोर्सिंग,संविदा व्यवस्था पर रोक, रेलवे, पोर्ट, बैकिंग—बीमा, कोयला, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निजीकरण बंद करने, शिक्षा—स्वास्थ्य अधिकार और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऊपर के एक फीसद अमीरों पर संपत्ति व उत्तराधिकार जैसे कर लगाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। संयुक्त युवा मोर्चा के ऐजेंडा को विपक्षी दलों को एजेंडा भेजने और अपनी पार्टी प्रोग्राम में शामिल करने की मांग की जाएगी। समर्थन के लिए समाज के विभिन्न तबकों के बीत जाने का भी निर्णय लिया गया। मीटिंग में संयुक्त युवा मोर्चा के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण मौजूद रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0—7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार—पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।